an>

Title: Need to ban the production of tobacco products in the country.

श्री संजय काका पाटील **(सांगली) :** विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार भारत में गरीबी का एक बड़ा कारण तंबाकू सेवन भी है। तंबाकू सेवन से होने वाली बीमारियों पर होने वाले खर्च से परिवार गरीबी की रेखा के नीचे जा रहे हैं। तंबाकू सेवन के आर्थिक प्रभाव भयावह है। स्वास्थ्य पर होने वाले व्यय का एक बड़ा हिस्सा सिर्फ तंबाकू जनित बीमारियों पर खर्च हो रहा है। एक अनुमान के अनुसार स्वास्थ्य पर होने वाले व्यय का करीब 4.7 प्रतिशत तंबाकू से जुड़ी बीमारियों पर खर्च हो रहा है। तंबाकू से होने वाली राष्ट्र को आर्थिक क्षति भारत में जी.डी.पी. का करीब 2 प्रतिशत है। तंबाकू जनित बीमारियों पर वर्ष 2011 में 16,800 करोड़ रूपये खर्च हुए। तंबाकू से सालाना एक लाख करोड़ रूपये की हानि होती है।

सरकार ने तंबाकू व अन्य तंबाकू उत्पादक (संशोधन) विधेयक को ठण्डे बस्ते में डाल दिया है। सिगरेट, बीड़ी व तंबाकू से बने पदार्थ जैसे गुटखा, खैनी इत्यादि से ओरल कैंसर से पीड़ित व्यक्तियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। अब समय आ गया है जब सरकार को इसे रोकना होगा व इसके लिए कठोर कदम उठाने होंगे। खुली सिगरेट की बिक्री पर रोक लगे व तंबाकू उत्पादों के उत्पादन पर रोक लगा दी जाए। हमें अपने नौजवानों को इस व्यसन से बचाना होगा। सिगरेट उत्पादन निर्यात के लिए हो परंतु देश में इसे रोकना होगा। मैं सरकार से अपील करता हूं कि इस दिशा में तुरंत प्रभावी कदम उठाए जाएं।